हरियाणा सरकार की ई-पहल की आलोचना

चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार को अपनी कुछ ई-पहलों को लेकर हितधारकों के एक वर्ग की **आलोचना का सामना करना पड़ रहा है,** विपक्ष ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है और सत्ता में आने पर उन्हें वापस लेने का वादा किया है।

मुख्य बिंदु:

- परिवार पहचान पत्र और मेरी फसल मेरा ब्योरा ई-पहल हैं, जिसके कारण सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।
  - **परिवार पहचान-पत्र गोपनीयता संबंधी चिंताओं** और उपयोगकर्त्ता विवरण में बड़े पैमाने पर विसंगतियों के कारण प्रभावहीन हो गया है, जिससे लोगों को असुविधा हो रही है।
  - सूत्रों के अनुसार **मेरी फसल मेरा ब्योरा** जो एक ही पोर्टल के माध्यम से किसानों को कई सेवाएँ प्रदान करता है, एक अच्छी पहल थी लेकिन **खराब कार्यान्वयन और खामियों के कारण न केवल किसानों को परेशानी हुई** बल्कि धोखाधड़ी तथा भ्रष्टाचार की घटनाएँ भी हुईं।

परिवार पहचान-पत्र (PPP) योजना

- **पृष्ठभूमि:** राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित योजनाओं, सेवाओं और लाभों की **'पेपरलेस' तथा 'फेसलेस'** उपलब्धता के दृष्टिकोण के साथ हरियाणा सरकार ने जुलाई 2019 में PPP योजना की औपचारिक शुरुआत की थी।
  - इसके तहत प्रत्येक परिवार को एक इकाई/यूनिट माना जाता है तथा उन्हें **8 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या** प्रदान की जाती है जिसे **पारिवारिक ID** कहा जाता है।
  - पारिवारिक ID **छात्रवृत्ति, सब्सिडी और पेंशन जैसी स्वतंत्र योजनाओं से भी जुड़ी** होती है, ताकि स्थिरता तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।
  - यह विभिन्न योजनाओं, सब्सिडी और पेंशन के लाभार्थियों के **स्वचालित चयन** को भी सक्षम बनाता है।
- **उद्देश्य:** परिवार पहचान-पत्र (PPP) का प्रमुख उद्देश्य हरियाणा में सभी परिवारों का **प्रामाणिक, सत्यापित और विश्वसनीय डेटा** तैयार करना है।

मेरी फसल मेरा ब्योरा

- इसे **वर्ष 2022 में** राज्य के किसानों की सुविधा के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शिकायतों के निवारण हेतु लॉन्च किया गया था।**
- इस पोर्टल के माध्यम से किसान कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

https://www.youtube.com/watch?v=7V1Lb_L8C0I

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/backlash-over-haryana-govt-s-e-initiatives